

अनुवक्ता पुं. (तत्.) उत्तर देनेवाला, बाद में बोलनेवाला, दोहरानेवाला।

अनुवचन पुं. (तत्.) 1. किसी की बात को दोहराना, आवृत्ति 2. पठन 3. अध्यापन, शिक्षण 4. व्याख्यान, भाषण 5. प्रकरण, अध्याय, पाठ 6. ऋषि विशेष के द्वारा निर्दिष्ट नियमानुसार मंत्र-पाठ।

अनुवत्सर पुं. (तत्.) [अनु+वत्सर] 1. वर्ष के पश्चात्, वर्ष, साल 2. वर्षक्रम 3. ज्यों. वैदिक युग के पाँच वर्षों में से चौथा वर्ष 4. क्रि.वि. प्रतिवर्ष।

अनुवर्तक वि. (तत्.) [अनु+वर्तक] 1. अनुवर्तन (अनुगमन) करने वाला, अनुगामी, अनुयायी 2. अनुरूप करने वाला, 3. किसी घटना आदि के बाद फलस्वरूप जो होने वाला हो, अनुवर्ती।

अनुवर्तन पुं. (तत्.) सा.अर्थ. अनुसरण, अनुगमन, अनुकरण प्रशा. किसी कार्रवाई को अधिक प्रभावी और त्वरित बनाने के लिए किया गया मौखिक या लिखित प्रयास follow up 2. किसी काम में लगे रहना, अनुपालन।

अनुवर्तिता स्त्री. (तत्.) [अनुवर्ति+ता] 1. अनुवर्ती होने का भाव या गुण। 2. अनुसरणशीलता।

अनुवर्तिनी वि. (तत्.) [अनु+वर्तिनी] 1. अनुगमन करने वाली 2. किसी के बाद होने वाला 3. किसी घटना आदि के पश्चात् या फलस्वरूप होने वाली कोई बात। जैसे- स्वतंत्रता प्राप्ति की अनुवर्तिनी घटना स्त्री. 4. स्त्री, पत्नी।

अनुवर्ती वि. (तत्.) 1. बाद में होने या आने वाला या किया जाने वाला 2. अनुसरण करनेवाला, अनुयायी, अनुगामी 3. किसी कारण के परिणामस्वरूप होने वाला।

अनुवर्ती कार्य पुं. (तत्.) [अनुवर्ती+कार्य] किसी क्रिया/व्यवहार के बाद होने वाला कार्य, आगे का कार्य।

अनुवर्ती सरिता स्त्री. (तत्.) भूवि. किसी कछार आदि में उठी नई सतह पर उत्पन्न होने वाली

वह सरिता जो अपना मार्ग उसी ढाल के अनुसार बनाती हुई आगे बढ़ती है।

अनुवश वि. (तत्.) [अनु+वश] 1. जो किसी के वश में हो गया हो, अन्यवशवर्ती, परवश 2. अनुयायी, अनुगत 3. आज्ञा मानने वाला/ आज्ञानुसार कार्य करने वाला 4. दूसरे की इच्छा पर निर्भर।

अनुवशता स्त्री. (तत्.) 1. दूसरे किसी के वश में रहने का भाव या अवस्था 2. परवशीभूत होने की स्थिति, परवशता।

अनुवाक् पुं. (तत्.) 1. ग्रंथखंड, ग्रंथविभाग, अध्याय का एक भाग, वेद के अध्याय का एक भाग 2. दोहराना।

अनुवाचन पुं. (तत्.) 1. यज्ञ में विधि के अनुसार मंत्र-पाठ 2. अध्यापक के वाचन को विद्यार्थियों द्वारा दुहराकर पढ़ना 3. अध्ययन करना, स्वयं पढ़ना।

अनुवाद पुं. (तत्.) 1. भाषांतरण, एक भाषा में छपी/लिखी सामग्री को दूसरी भाषा में बदलकर लिखना 2. दोहराई गई बात।

अनुवाद-अयुक्त पुं. (तत्.) 1. वाक्य संगति के लिए युक्त न होना 2. साहि. एक प्रकार का वह अर्थ दोष जो वाक्य में उद्देश्य कथन 'विधेय' के प्रतिकूल होने से माना जाता है यह एक प्रकार का काव्यदोष कहलाता है।

अनुवादक पुं. (तत्.) 1. भाषांतर करनेवाला, अनुवाद करनेवाला, तर्जुमा करनेवाला 3. बात को दोहराने वाला।

अनुवाद-जीवी वि. (तत्.) [अनुवाद-जीवी] जो अपनी जीवन-वृत्ति किन्हीं ग्रंथों/लेखों आदि के अनुवाद के माध्यम से चलाता हो, मौलिक लेखन से नहीं उदा. अनुवाद जीवियों के माध्यम से ही हम किसी ग्रंथ को अपेक्षित भाषा में अनुवाद होने के कारण पढ़-समझ सकते हैं।

अनुवादनीय वि. (तत्.) [अनु+वादनीय] जो अनुवाद करने योग्य हो, जिसका अनुवाद किया जा सके जैसे- अनुवादनीय साहित्य।